याकूब की चिट्ठी

1 [1]याकूब का, जो पणमेसर अर प्रभु यीशु मसीह का दास
सै, संतां के बारहां कुलाँ ताहीं नमस्कार पहोच्चै जो
साब्ते संसार म्ह फैलरे सैं।

बिश्वास अर विवेक

[2]हे मेरे भाइयो, जिब कद्दे भी थम कई तरियां की परीक्षायां म्ह
पड़ो तो इस ताहीं बड्डे आनन्द की बात समझो। [3]क्यूँके थम न्यू
जाणो सो के थारा बिश्वास जिब परीक्षा म्ह सफल होवै सै तो
उसतै धीरज तै भरी सहन शक्ति पैदा होवै सै। [4]अर वा धीरज
तै भरी सहन शक्ति एक इसी भरपूरी नै जन्म देवै सै जिस तै
थम इसे सिद्ध बण सको सो जिनम्ह कमी कोनी रह जावै सै।

[5]इस तरियां तै जै थारै म्ह तै किसे म्ह विवेक की कमी
सै तो ओ उस ताहीं पणमेसर तै माँग सकै सै। ओ सारया
ताहीं राज्जी होकै उदारता कै गेल्या देवै सै। [6]बस बिश्वास कै
गेल्या मांग्या जावै। माड़ा सा भी शक नीं होणा चहिये। क्यूँके
जिस नै शक होवै सै, ओ समन्दर की उस लहर कै जिसा सै
जो हवा तै उड्डै सै अर थरथरावै सै। [7]इसे माणस ताहीं न्यू नीं
सोचणा चहिये के उस ताहीं प्रभु तै कीमे भी मिल पावैगा।
[8]इसे माणस का मन तो दुविधा म्ह पड़या सै। ओ अपणे सारे
काम्मां म्ह चंचल सै।

साच्चा धन

[9]साधारण हालातां आळे भाई नै गर्व करणा चहिये के
पणमेसर नै उस ताहीं आत्मा का धन दिया सै। [10]अर अमीर
भाई नै गर्व करणा कहिये के पणमेसर नै उस ताहीं नरमाई दी
सै। क्यूँके उस ताहीं तो घास पै खिलण आळे फूल कै तरियां
झड़ जाणा सै। [11]सूरज कड़कड़ान्दा होड़ घाम लिये होड़ उगै
सै अर पौधयां ताहीं सुखा देवै सै। उनकी फूल पत्तियाँ झड़
जावै सैं अर सुथरापण खत्म हो जावै सै। इस्से ढाळ अमीर
माणस भी आपणी भाज-दौड़ कै गेल्या खत्म हो जावै सै।

पणमेसर परीक्षा कोनी लेन्दा

[12]ओ माणस धन्य सै जो परीक्षा म्ह अटल रहवै सै क्यूँके
परीक्षा म्ह खरया उतरण कै बाद ओ जीवन के उस विजय
मुकुट ताहीं धारण करैगा, जिस ताहीं पणमेसर नै अपणे प्रेम
करण आळयां ताहीं देण का बचन दिया सै। [13]परीक्षा की
घड़ी म्ह किसे ताहीं न्यू नीं कहणा चहिये के "पणमेसर मेरी
परीक्षा लेण लागरया सै," क्यूँके भुंडी बात्तां तै पणमेसर नै
कोए लेणा देणा नीं सै। ओ किसे की परीक्षा कोनी लेन्दा।
[14]हरेक कोए आपणी ए भुंडी इच्छायां कै भ्रम म्ह फँसकै
परीक्षा म्ह पड़ै सै। [15]फेर जिब वा इच्छा गर्भवती होवै सै तो
पाप पूरा बढ़ जावै सै अर ओ मौत ताहीं जन्म देवै सै।

[16]इस तरियां तै मेरे प्यारे भाइयो, धोक्खा मतना खाओ।
[17]हरेक उत्तम दान अर भरपूरी आळे तोफ्फे ऊप्पर तै ए मिलै
सैं। अर वे उस परम पिता कै जरिये जिसनै सुर्गीय चाँदणै ताहीं
जन्म दिया सै, तळै ल्याए जावै सैं ओ तारयाँ की चालढाल तै
पैदा छाया तै कद्दे भी बदलदा नीं सै। [18]सत्य के सुथरे संदेश
कै जरिये आपणी ऊलाद बनाण कै खात्तर उसनै म्हारै ताहीं
छांटया। ताके हम सारे प्राणियां कै बिच्चाळै उसकी फ़सल
के पहल्ले फल सिद्ध होवां।

सुणना अर उस पै चालणा

[19]हे मेरे भाइयो, याद राक्खो, हरेक किसे ताहीं तगाज्जे कै
गेल्या सुणना चहिये, बोल्लण म्ह तगाज्जा मतना बरतो, छोह
करण म्ह उतावळापण मतना बरतो। [20]क्यूँके माणस के छोह
तै पणमेसर की धार्मिकता कोनी उपजदी। [21]हरेक घिनौणे
अचम्भे तै अर चौगरदेकै फैल्ली दुष्टता तै दूर रहो। तथा
नरमाई कै गेल्या थारे हृदयां म्ह बोए गए पणमेसर के बचन
ताहीं अपणाओ जो थारी आत्मायाँ नै उद्धार दुवा सकै सै।

[22]पणमेसर की शिक्षा पै चाल्लण आळे बणो, ना के सिर्फ
उस ताहीं सुनण आळे। जै थम उस ताहीं सुणदे भर हो तो थम
अपणे आप ताहीं धोक्खे म्ह राक्खो सो। [23]क्यूँके जै कोए
पणमेसर की शिक्षा नै सुणै तो सै अर उस पै चाल्दा ना हो, तो
ओ उस माणस की तरियां ए सै जो अपणे असली मुँह ताहीं
सीसे म्ह देक्खै भर सै। [24]ओ खुद ताहीं आच्छी तरियां देक्खै
सै, पर जिब ओड़ै तै चल्या जावै तो तुरत भूल जावै सै के ओ

किसा दिक्खण लागरया था। 25किन्तु जो पणमेसर की उस सम्पूर्ण व्यवस्था नै लवै तै देक्खै सै, जिस तै अजादी मिलै सै अर उस्से पै आचरण भी करदा रहवै सै, अर सुण कै उस ताहीं भूले बिना अपणे आचरण म्ह उतारदा रहवै सै, ओए अपणे कर्मां कै खात्तर धन्य होवैगा।

भगति का साच्चा राह

26जै कोए सोच्चै सै के ओ भगत सै अर आपणी जीभ पै कस कै लगाम कोनी लांदा तो ओ धोक्खे म्ह सै। उसकी भगति बेकार सै। 27परम पिता पणमेसर कै श्यामी साच्ची अर शुद्ध भगति वाए सै जिसम्ह अनाथां अर विधावायां की उनके दुःख दर्द म्ह सुधि ली जावै अर खुद ताहीं कोए सांसारिक कलंक नीं लगण दिया जावै।

सबतै प्रेम करो

2 1हे मेरे भाइयो, म्हारे महिमावान प्रभु यीशु मसीह म्ह जो थारा बिश्वास सै, ओ पक्षपात (दुबात) तै भरया ना हो। 2मान कै चाल्लो थारी सभा म्ह कोए माणस सोन्ने की अँगूठी अर सुथरे लत्ते पहरे होड़ आवै सै। अर जिब्बे मैले कुचैले लत्ते पहरे एक गरीब माणस भी आवै सै। 3अर थम जिसनै सुथरे लत्ते पहर राक्खे सैं, उस ताहीं ख़ास महत्व देन्दे होए कहो सो, "उरै इस उत्तम जंगहा पै बैट्ठो", जिब के उस गरीब माणस तै कहो सो, "उरै खड़्या रह" या "मेरे पैरयां कै धोरै बैठ ज्या।" 4इसा करदे होए के थमनै अपणे बिच्चाळै कोए दुबात कोनी करी अर भुण्डे बिचारां कै गेल्या जज कोनी बण गे?

5हे मेरे प्यारे भाइयो, सुणो के पणमेसर नै संसार की आँखां म्ह उन गरीबां ताहीं बिश्वास म्ह अमीर अर उस राज्य के उत्तराधिकारी या वारिस कै रूप म्ह कोनी छांटया, जिसका उसनै, जो उस ताहीं प्रेम करै सैं, देण का बचन दिया सै। 6किन्तु थमनै तो उस गरीब माणस कै बाबत नफरत दिखाई सै। के ये अमीर माणस वैए नीं सैं, जो थारा शोषण करै सैं अर थारै ताहीं कचहड़ियाँ म्ह घसीट ले जावै सैं? 7के ये वैए नीं सैं, जो मसीह के उस उत्तम नाम की बुराई करै सैं, जो थारै ताहीं दिया गया सै?

8जै थम शास्त्र म्ह मिलण आळी इस सारया तै ऊँच्ची व्यवस्था का साच्चए पालन करो सो, "अपणे पडोसी तै उस्से तरियां ए प्रेम करो, जिस तरियां थम अपणे आप तै करो सो" तो थम आच्छा ए करो सो। 9किन्तु जै थम दुबात दिखाओ सो तो थम पाप करण लागरे सो। फेर थारै ताहीं व्यवस्था के विधान ताहीं तोड़ण आळा ठहराया जावैगा।

10क्यूँके कोए भी जै साब्ती व्यवस्था का पालन करै सै अर एक बात म्ह चूक जावै सै तो ओ साब्ती व्यवस्था के उल्लंघन का कसूरवार हो जावै सै। 11क्यूँके जिसनै न्यू कह्या था, "जारी मतना करो" उस्सेए नै न्यू भी कह्या था, "खून मतना करो।" इस तरियां तै जै थम जारी कोनी करदे किन्तु खून करो सो तो थम व्यवस्था ताहीं तोड़ण आळे सो।

12थम उन्ने ए लोग्गां कै तरियां बोल्लो अर उन्ने ए के जिसा आचरण करो जिनका उस व्यवस्था कै मुताबिक न्याय होण जाण लागरया सै, जिसतै छुटकारा मिलै सै। 13जो दयालु कोनी सै, उसकै खात्तर पणमेसर का न्याय भी बिना दया कै ए होगा। किन्तु दया न्याय पै विजयी सै।

बिश्वास अर साच्चे काम

14हे मेरे भाइयो, जै कोए माणस कहवै सै के ओ बिश्वासी सै तो इसका के फैयदा जिब लग के उसके काम बिश्वास कै मुताबिक ना हों? इसा बिश्वास के उसका उद्धार कर सकै सै? 15जै भाइयो अर बहणां ताहीं लत्त्यां की जरूत हो, उनकै धोरै खाण लग नै ना हो 16अर थारै म्ह तै ए कोए उन तै कहवै, "शान्ति तै जाओ, पणमेसर थारा कल्याण करै, अपणे ताहीं गरमाओ तथा आच्छी ढाळ भोजन करो" अर थम उनकी देही की जरुतां की चिज्जां उन ताहीं ना द्यो तो फेर इसका के मोल सै? 17इस्से ढाळ जै बिश्वास कै गेल्या कर्म नीं सै तो ओ अपणे आप म्ह मरया होड़ सै।

18किन्तु कोए कह सकै सै, "थारै धोरै बिश्वास सै, जिब के मेरै धोरै कर्म सै इब थम बिना कर्मां कै आपणा बिश्वास दिखाओ अर मैं थारै ताहीं आपणा बिश्वास अपणे कर्मां कै जरिये दिखाऊँगा।" 19के थम बिश्वास करो सो के पणमेसर सिर्फ एक सै? अद्भुत! भूंडी औपरी आत्माएँ न्यू बिश्वास करै सैं के पणमेसर सै अर वे काम्बदी रहवै सैं।

20अरै बेअक्ले! के तन्नै सबूत चहिये के कर्म बिना बिश्वास बेकार सै? 21के म्हारा पिता अब्राहम अपणे कर्मां कै आधार पै ए उस बख्त धर्मी कोनी ठहराया गया था जिब उसनै अपणे बेट्टे इसहाक ताहीं वेदी पै चढ़ाया था? 22तू देख

के उसका ओ बिश्वास उसके कर्मां कै गेल्या ए सक्रिय होण लागरया था। अर उसके कर्मां तै ए उसका बिश्वास भरया पूरा करया गया था। 23इस ढाळ शास्त्र का यो कह्या पूरा होया था, "अब्राहम नै पणमेसर पै बिश्वास करया अर बिश्वास कै आधार पै ए ओ धर्मी ठहरया" अर इस्से तै ओ "पणमेसर का ढब्बी" कुवाया। 24थम देक्खो के सिर्फ बिश्वास तै नीं, बल्के अपणे कर्मां तै ए माणस धर्मी ठहरै सै।

25इस्से ढाळ राह्ब बेश्या भी के उस बख्त अपणे कर्मां तै धर्मी कोनी ठहरायी गयी, जिब उसनै दुत्तां ताहीं अपणे घर म्ह शरण दी अर फेर उन्नै दुसरे राह तै किते भेज दिया।

26इस ढाळ जिस तरियां बिना आत्मा कै देही मरी होड़ सै, उस्से तरियां ए कर्म बिना बिश्वास भी मरया होड़ सै।

बाणी का संयम

3 1हे मेरे भाइयो, थारै म्ह तै भोत से ताहीं उपदेश देणीया बनण की इच्छा नीं करणी चहिये। थम जाणो ए सो के हम उपदेशकां का और घणा करड़ाई कै गेल्या न्याय करया जावैगा।

2मैं थमनै इस बाबत ज्यांतै चेताण लागरया सूं के हम सारया तै भोत-सी भूल होन्दी ए रहवै सैं। जै कोए बोल्लण म्ह कोए भी चूक ना करै तो ओ एक सिद्ध माणस सै तो फेर इसा कौण सै जो उस पै पूरी तरियां काब्बू पा सकै सै? 3हम घोड़यां कै मुँह म्ह ज्यांतै लगाम लावां सां के वे म्हारै बस म्ह रहवैं अर इस ढाळ उनकी साब्ती देही ताहीं हम बस म्ह कर सकां सां। 4अथवा पाणी आळे जहाजां का उदाहरण भी लिया जा सकै सै। देक्खो, चाहे वे कितने ए बड्डे होवैं सैं अर ठाड्डी हवायां कै जरिये चलाए जावैं सैं, किन्तु एक छोट्टी सी पतवार तै उनका नाविक उन ताहीं जित किते ले जाणा चाहवै सै, उन पै काब्बू पाकै उन ताहीं ले जावै सै। 5इस्से ढाळ जीभ, जो देही का एक छोट्टा सा अंग सै, बड्डी-बड्डी बात्तां करण की डींग मारै सै।

अब माड़ा सा सोच्चो एक माड़ी-सी लपट साब्ते जंगल ताहीं जळा सकै सै। 6हम्बै, जीभ एक लपट सै। या बुराई का एक पूरा संसार सै। या जीभ म्हारी देही के अंगां म्ह एक इसा अंग सै, जो साब्ती देही नै भ्रष्ट कर देवै सै अर म्हारे जीवन चक्र म्ह ए आग लगा देवै सै। या जीभ नरक की आग तै धधकदी रहवै सै।

7देक्खो, हरेक ढाळ के खतरनाक पशु, पंछी, रेंगण आळे जीव-जन्तु, पाणी म्ह रहण आळे प्राणी माणस कै जरिये बस म्ह करे जा सकै सैं अर करे भी गये सैं। 8किन्तु जीभ ताहीं कोए माणस बस म्ह कोनी कर सक्दा। या घातक जहर तै भरी एक इसी बुराई सै जो कद्दे भी चैन तै कोनी रहन्दी। 9हम इस्से तै अपणे प्रभु अर पणमेसर की स्तुति करां सां अर इस्से तै लोग्गां ताहीं जो पणमेसर की समरूपता म्ह पैदा करे गये सां, कोस्सां भी सां। 10एक ए मुँह तै आशीर्वाद अर अभिशाप दोन्नु लिकड़ै सैं। मेरे भाइयों, इसा तो नीं होणा चहिये। 11सोत्ते कै एक ए मुहाने तै भला के मिट्ठा अर खारा दोन्नु ढाळ का पाणी लिकड़ सकै सै? 12मेरे भाइयों, के अंजीर कै दरख्त जैतून या अंगूर की डाळी पै कद्दे भी अंजीर लाग्गे सैं? जमा ए नीं। अर ना ए खारे स्रोत तै कद्दे भी मिट्ठा पाणी लिकड़ पावै सै।

साच्चा विवेक

13भला थारै म्ह, ज्ञान्नी अर समझदार कौण सै? जो सै, उस ताहीं बिवार तै न्यू दिखाणा चहिये के उसके कर्म उस सज्जनता कै गेल्या करे गये सैं जो ज्ञान तै जुड़ी सै। 14किन्तु जै थम लोग्गां के हृदयां म्ह भयंकर ईर्ष्या अर स्वार्थ भरया होया सै, तो अपणे ज्ञान का ढोल मतना पीट्टो। इसा करकै तो थम सत्य पै पड़दा गेरदे होए झूठ बोल्लण लागरे सो। 15इसा "ज्ञान" तो ऊप्पर यानि सुर्ग तै, मिल्दा कोनी, बल्के ओ तो भौतिक सै। आत्मिक कोनी सै। तथा शैतान का सै। 16क्यूँके जित ईर्ष्या अर स्वार्थ भरे अरमान रहवै सैं, ओड़ै गड़बड़ी अर हरेक ढाळ की भूंडी बात रहवै सै। 17किन्तु सुर्ग तै आण आळा ज्ञान सारया तै पहल्या तो पवित्र होवै सै, फेर शान्ति तै भरया, सहनशील, सहज-प्रसन्न, करुणा तै भरया होवै सै। अर उसतै उत्तम कर्मां की फ़सल उपजै सै। ओ पक्षपात-रहित अर साच्चा भी होवै सै। 18शान्ति कै खात्तर काम करण आळे लोग्गां ताहीं ए धार्मिक जीवन का फळ मिलैगा जै उस ताहीं शान्ति तै भरया माहौल म्ह बोया गया सै।

पणमेसर नै समर्पित हो जाओ

4 1थारै बिच्चाळै लड़ाई-झगड़े क्यांतै होवै सैं? के उनका कारण थारे अपणे ए भीत्तर नीं सै? थारी वे भोग-विलास तै भरी इच्छाएँ ए जो थारै भीत्तर लगातार लड़दी रहवै सैं, के उन्ने तै ए ये पैदा नीं होंदे? 2थम लोग चाहो तो सो

किन्तु थमनै मिल नीं पांदा। थारै म्ह ईर्ष्या सै अर थम दुसरयां का खून करो सो, फेर भी जो चाह्वो सो, मिल नीं पांदा। अर इस करकै लड़ो-झगड़ो सो। आपणी मर्जी आळी चिज्जां ताहीं थम पा नीं पाण्दे क्यूँके थम उन ताहीं पणमेसर तै कोनी माँगदे। 3अर जिब माँगो भी सो तो थारा मकसद आच्छा कोनी होंदा। क्यूँके थम उन ताहीं अपणे भोगविलास म्ह ए उड़ाण ताहीं माँगो सो।

4ओ, बिना बिश्वास करणीयें लोगों! के थमनै कोनी बेरा के संसार तै प्रेम करणा पणमेसर तै नफरत करण कै जिसा ए सै? जो कोए इस दुनिया तै दोस्ती राखणा चाहवै सै, ओ अपणे आप ताहीं पणमेसर का दुश्मन बणावै सै। 5अथवा के थम न्यू सोच्चो सो के शास्त्र इसा खामखाँ म्ह ए कहवै सै के, "पणमेसर नै म्हारै भीत्तर जो आत्मा दी सै, ओ ईर्ष्या तै भरी इच्छायां तै भरी रहवै सै।" 6किन्तु पणमेसर नै म्हारै पै भोत ए घणा अनुग्रह दिखाया सै, इस करकै शास्त्र म्ह कह्या ग्या सै, "पणमेसर घमण्डीयां का विरोधी सै, जिब के दीन जनां पै आपणा अनुग्रह दिखावै सै।"

7इस करकै अपणे आप ताहीं पणमेसर कै अधीन कर द्यो। शैतान का विरोध करो, ओ थारै श्यामी तै भाज खड़या होगा। 8पणमेसर कै धोरै आओ, ओ भी थारै धोरै आवैगा। अरै पापियों! अपणे हाथ शुद्ध करो अर अरै शक करण आळों, अपणे हृदयां नै पवित्र करो। 9शोक करो, बिलाप करो अर दुखी होओ। हो सकै सै थारी या हास्सी शोक म्ह बदल जावै अर थारी या खुशी विषाद म्ह बदल जावै। 10प्रभु कै श्यामी दीन बणो। ओ थारै ताहीं ऊँच्चा उठावैगा।

जज थम नीं सो

11हे भाइयो, एक दुसरे कै बिरोध म्ह बोलणा बन्द करो। जो अपणे ए भाई कै बिरोध म्ह बोल्लै सै, अथवा उसनै कसूरवार ठहरावै सै, ओ व्यवस्था कै ए बिरोध म्ह बोल्लै सै अर व्यवस्था नै कसूरवार ठहरावै सै। अर जै थम व्यवस्था पै दोष लगाओ सो तो व्यवस्था के विधान का पालन करण आळे नीं रहन्दे बल्के उसके जज बण जाओ सो। 12व्यवस्था के विधान ताहीं देण आळा अर उसका जज तो बस एक ए सै। अर ओए रूखाळी कर सकै सै अर ओए नास करै सै। तो फेर अपणे ढब्बी का न्याय करण आळे थम कौण होवो सो?

आपणा जीवन पणमेसर नै चलाण द्यो

13इसा कहण आळों सुणो, "आज या काल हम इस या उस नगर म्ह जाकै साल-एक भर ओड़ै ब्यापार म्ह धन लगा कै भोत सा पिस्सां बणा लेवांगे।" 14किन्तु थम तो इतना भी कोनी जाणदे के काल थारै जीवन का के बणैगा! देक्खो, थम तो उस धुंध कै बरगे सो जो माड़ी सी वार ताहीं उट्ठै सै अर फेर खु जावै सै। 15इस तरियां तै इसकी जंगहा पै थमनै तो सारीहाण योए कहणा चहिये, "जै प्रभु नै चाहया तो हम जीवांगे अर यो या ओ करांगे।" 16किन्तु हालत तो या सै के थम तो अपणे आडम्बरां कै खात्तर खुद पै घमण्ड करो सो। इसे सारे घमण्ड भुण्डे सैं। 17तो फेर न्यू जाणदे होए भी के न्यू सही सै, उस ताहीं नीं करणा पाप सै।

स्वार्थी अमीर दण्ड के साझ्झीदार होवैंगे

5 1हे अमीरों सुणो, जो बिप्दां थारै पै आण आळी सैं, उनकै खात्तर मतना रोओ अर ऊँच्चे बोल म्ह बिलाप करो। 2थारा धन सड़ लिया सै। थारे लत्ते कीड़यां नै खा लिया सै। 3थारा सोन्ना चाँदी जंग लाग्गण तै बिगड़ ग्या सै। उन पै लाग्गी जंग थारे बिरोध म्ह गवाही देवैगी अर थारे मांस नै आग की तरियां चट कर जावैगी। थमनै आपणा खज़ाना उस उम्र म्ह एक कान्नी उठा कै धर दिया सै जिसका अंत आण नै सै। 4देक्खो, थारे खेत्तां म्ह जिन मजदूरां नै काम करया, थमनै उनकी मजदूरी रोक राक्खी सै। वाए मजदूरी चीख पुकार करण लागरी सै अर खेत्तां म्ह काम करण आळयां की वे चीख पुकारें सारया तै ठाड्डे प्रभु के कान्नां लग पहोच्ची सैं।

5धरती पै थमनै बिलास तै भरया जीवन जिया सै अर अपणे आप ताहीं भोग- बिलासां म्ह डबोये राख्या सै। इस ढाळ थमनै अपणे आप ताहीं मर जाण के दिन कै खात्तर पाळ-पोसकै मोट्टा-ताज्जा कर लिया सै। 6थमनै भोळे लोग्गां ताहीं कसूरवार ठहराकै उनकै किसे प्रतिरोध के अभाव म्ह ए उनकी हत्याएँ कर दी।

धीरज राक्खो

7इस तरियां भाइयो, प्रभु के दुबारै तै आण लग धीरज धरो। उस किसान का ध्यान धरो जो आपणी धरती की कीमती उपज कै खात्तर बाट देख्दा रहवै सै। इसकै खात्तर ओ सरूआळी

मिह तै लेकै पाच्छैली मिह लग लगातार धीरज कै गेल्या बाट देख्दा रहवै सै। 8थारै ताहीं भी धीरज कै गेल्या बाट देखणी पड़ैगी। अपणे हृदयां नै मजबूत बणाए राक्खो क्यूँके प्रभु का दुबारा आणा लवै ए सै। 9हे भाइयो, आप्पस म्ह एक दुसरे की सिकात मतना करो ताके थारै ताहीं अपराधी नीं ठहराया जावै। देक्खो, जज तो भीत्तर आण कै खात्तर दरवाज्जे पै ए खड़या सै। 10हे भाइयो, उन भविष्यवक्तायां नै याद राक्खो जिन्नै प्रभु कै खात्तर बोल्या। वे म्हारे खात्तर दुःख झेल्लण अर धीरज तै भरे सहनशीलता के उदाहरण सैं। 11ध्यान राखियो, हम उनकी सहनशीलता कै कारण उन ताहीं धन्य मान्नां सां। थमनै अय्यूब के धीरज कै बारै म्ह सुण्या ए सै अर प्रभु नै उस ताहीं उसका जो नतीज्जा दिया, उस ताहीं भी थम जाणो ए सो के प्रभु कितना दयालु अर करुणा तै भरया सै।

सोच समझ कै बोल्लो

12हे मेरे भाइयो, सारया तै बड्डी बात या सै के सुर्ग की या धरती की या किसे भी ढाळ की सूह खाणा छोड़ द्यो। थारी "हाँ", हाँ होणी चहिये, अर "ना" ना होणी चहिये। ताके थारै पै पणमेसर का दण्ड ना पड़ै।

प्रार्थना की ताकत

13जै थारै म्ह तै कोए बिप्दा म्ह पड़या सै तो उस ताहीं प्रार्थना करणी चहिये अर जै कोए खुस सै तो उस ताहीं भजन गाणे चहिये। 14जै थारै बिच्चाळै कोए रोगी सै तो उस ताहीं कलीसिया के अगुवां नै बुलाणा चहिये के वे उसकै खात्तर प्रार्थना करै अर उस पै प्रभु के नाम म्ह तेल मळैं। 15बिश्वास कै गेल्या करी गई प्रार्थना तै रोगी चंगा हो जावैगा। अर प्रभु उस ताहीं उठाकै खड़या कर देवै सै। जै उसनै पाप करे हो तो प्रभु उस ताहीं माफ़ कर देवैगा।

16इस करकै अपणे पापां नै आप्पस म्ह मान ल्यो अर एक दुसरे कै खात्तर प्रार्थना करो ताके थम भले चंगे हो जाओ। धार्मिक माणस की प्रार्थना ठाड्डी अर असर आळी होवै सै। 17नबी एलिय्याह एक माणस ए था ठीक म्हारै जिसा। उसनै तगाज्जे कै गेल्या प्रार्थना करी, के मिह ना बरसै अर साढे तीन बरस लग धरती पै मिह कोनी बरस्या। 18उसनै फेर प्रार्थना करी अर अकास म्ह मिह उमड़ आया तथा धरती नै आपणी फ़सल उपजायीं।

एक आत्मा की रुखाळी

19हे मेरे भाइयो, थारै म्ह तै कोए जै सत्य तै भटक जावै अर उस ताहीं कोए फेर बोहड़ा ल्यावै सै, तो उसनै न्यू बेरा होणा चहिये के 20जो किसे पापी ताहीं पाप के राह तै बोहड़ा ल्यावै सै, ओ उस पापी की आत्मा नै अनन्त मौत तै बचावै सै अर उसके पापां नै माफ करे जाण का कारण बणै सै।

नोट्स